

2019

B.A. (General)

2nd Semester CBCS Examination

SANSKRIT

Paper - DSC 1B-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

*The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers
in their own words as far as practicable.*

1. यथेच्छं दश प्रश्नाः समाधेयाः (संस्कृतेन देवनागर्या च)

10×2=20

- (क) कादम्बरी काव्यस्य एकाटीकायाः नाम लेख्यम्।
(ख) चन्द्रापीडः कः आसीत्?
(ग) 'कादम्बरी' इति शब्दस्य कोऽर्थः ?
(घ) 'नाल्पमुपदेष्टव्यम्'—इत्यस्य सन्धिविच्छेदः
कार्यः।

[Turn Over]

- (ड) 'महतीयं खल्वनर्थपरम्परा'—उलिखिता
अनर्थपरम्परा का भवति ?
- (च) शिवराजविजयस्य नायकः कोऽस्ति ?
- (छ) अम्बिकादत्तव्यासः कः आसीत् ?
- (ज) पञ्चतन्त्रस्य पञ्च तन्त्राणि कानि ?
- (झ) औरङ्गजेवस्य उपाधिः कः ?
- (ञ) शिवराजविजयं कीदृशं काव्यम् ?
- (ट) 'बृहत्कथा' इति केन विरचिता ? का तत्र भाषा ?
- (ठ) 'शतकत्रयम्' इति कस्य रचना ? शतकत्रयमित्यनेन
केषां बोधः ?
- (ड) मृच्छकटिकस्य नायकः कः ?
- (ढ) मुद्राराक्षसे चन्द्रगुप्तस्य मन्त्री कः ?
- (ण) सुबन्धुना लिखितस्य ग्रन्थस्य नाम किम् ?

2. चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः

4×5=20

- (क) 'अतिगहनं तयो यौवनप्रभवम्'—कः कं प्रति एवमुक्तवान्? कथं यौवनप्रभवं अतिगहनम्?
- (ख) 'यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः'—उक्तिरियं व्याख्येया।
- (ग) हितोपदेशे उल्लिखितायाः कस्याश्चित् कथायाः सारः संक्षेपेण लेख्यः।
- (घ) 'सत्यं न लक्षितो मया समयवेगः'—उक्तिरियं व्याख्येया।
- (ङ) वाणभट्टविषये एका टीका लेख्या।
- (च) 'सततमूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः'—तात्पर्यं स्फुटीक्रियताम्।

3. यथेच्छं प्रश्नद्वयं समाधेया

2×10=20

- (क) पण्डिता अपि कथं मूर्खाः भवन्तीति पुरुषपरीक्षानुसारमुपस्थाप्यताम्।

[Turn Over]

- (ख) शुकनासः कः? तेन चन्द्रापीडाय राजलक्ष्म्याः
चरित्रविषये यत् किमपि उपदिष्टं तदालोचनीयम्।
- (ग) प्रातःकालस्य सूर्यदेवस्य वर्णना शिवराजविजयनुसारं
क्रियताम्।
- (घ) संस्कृतसाहित्ये गद्यकाव्यस्योत्पत्तिविषये तथा
क्रमविकाशविषये एकः प्रबन्धः विरचनीयः।

বাংলাভাষায় প্রশ্ন

1. যে কোন দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী
লিপিতে লেখ : 10×2

(ক) কাদম্বরী কাব্যের একটি টীকার নাম লেখ।

(খ) চন্দ্রাपीड কে ছিলেন?

(গ) 'কাদম্বরী'—এই শব্দের অর্থ কী?

(ঘ) 'नाल्पमुपदेष्टव्यम्'—এর সন্ধিবিচ্ছেদ কর।

(ঙ) 'महतीयं खल्वनर्थपरम्परा'—উল্লিখিতা অনর্থপরম্পরা
কী?

- (চ) শিবরাজবিজয়ের নায়ক কে?
- (ছ) অশ্বিকাদত্তব্যাস কে ছিলেন?
- (জ) পঞ্চতন্ত্রের পাঁচটি তন্ত্রের নাম কী?
- (ঝ) ঔরঙ্গজেবের উপাধি কী?
- (ঞ) শিবরাজবিজয় কীধরনের কাব্য?
- (ট) 'বৃহৎকথা'—কে লিখেছেন? এর ভাষা কী?
- (ঠ) 'শতকত্রয়ম্'—কার রচনা? তিনটি শতকের নাম লেখ।
- (ড) মুচ্ছকটিকের নায়ক কে?
- (ঢ) মুদ্রারাক্ষসে চন্দ্রগুপ্তের মন্ত্রী কে?
- (ণ) সুবন্ধুর লিখিত গ্রন্থের নাম কী?

2. চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

4×5

- (ক) 'অতিগহনং তমো যৌবনপ্রথমম্'—কে কার প্রতি এরূপ বলেছেন? যৌবনের প্রভাব অতিগহন কেন?

[Turn Over]

(খ) 'যৌবনারম্ভে চ প্রায়: শাস্ত্রজলপ্রক্ষালননির্মলাপি
কালুষ্যমুপযাতি বুদ্ধি:'— উক্তিটি ব্যাখ্যা কর।

(গ) হিতোপদেশে উল্লিখিত কোনও একটি গল্পের সার
সংক্ষেপ লেখ।

(ঘ) 'সত্যং ন লক্ষিতো ময়া সময়বেগ:'— উক্তিটি ব্যাখ্যা
কর।

(ঙ) বাণভট্ট বিষয়ে একটি টীকা লেখ।

(চ) 'সততমূলমন্ত্রশাম্যো' বিষমো বিষয় বিষাস্বাদমোহ:'
—কথাটির তাৎপর্য বিশ্লেষণ কর।

3. যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও : 2×10

(ক) পণ্ডিতরাও কিভাবে মূর্খ হয় তা পুরুষপরীক্ষা অনুসারে
উপস্থাপনা কর।

(খ) শুকনাদ্ব কে? সে চন্দ্রাপীড়কে রাজলক্ষ্মীর চরিত্র
বিষয়ে যা উপদেশ দিয়েছিলেন তা আলোচনা
কর।

(গ) শিবরাজবিজয় অনুসারে প্রাতঃকালীন সূর্যদেবের বর্ণনা কর।

(ঘ) সংস্কৃতসাহিত্যে গদ্যকাব্যের উৎপত্তি তথা ক্রমবিকাশ বিষয়ে একটি প্রবন্ধ রচনা কর।

